एसकेआरएयू में कस्टम हायरिंग सेंटर प्रारम्भ

» कुलगुरु ने किया केन्द्र का उद्घाटन » किसानों को बाजार से कम दर उपलब्ध होंगे कृषि मशीनरी व यंत्र, आनलाइन होगी बुकिंग

बीकानेर, (निसं)। क्षेत्र के किसानों को अब समुचित दर पर विभिन्न कृषि मशीनरी तथा उपकरण उपलब्ध हो सकेंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय स्थित एफआईएमटीटीसी में कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने गुरुवार को कस्टम हायरिंग सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक हनुमान प्रसाद, अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ दीपाली धवन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ विजय प्रकाश, इंजी विपिन लड्ढा तथा प्रभारी अधिकारी डॉ विक्रम योगी उपस्थित रहे। कुलगुरु ने कस्टम हायरिंग सेंटर के प्रारंभ होने पर बधाई देते हुए कहा कि एफआईएमटीटीसी द्वारा नियमित रूप से किसानों कृषि यंत्र निर्माताओं के हित में कार्य किया जा रहा है । यहां आ रही मशीनें अब इस केंद्र के माध्यम से किसानों के लिए सही दर पर उपलब्ध होगी, इसका किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र के मशीनों के मेंटेनेंस, रखरखाव, आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे इन्हें कार्यशील स्थिति में रखते हुए किसानों को केंद्र का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि एफआईएमटीटीसी के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की एक अलग पहचान बनी है। आय सृजन के साथ केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों तथा किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब यहां कस्टम हायरिंग सेंटर प्रारंभ होने से केंद्र की खेतों तक पहुंच बनेगी और तकनीकी हस्तांतरण में भी केंद्र सहयोगी बनकर उभरेगा। केंद्र से होने वाली आय के माध्यम से कृषि उपकरणों का रखरखाव और मेंटेनेंस कार्य भी सुचारू रूप से संपन्न किया जा सकेगा। केंद्र के प्रभारी डॉ विक्रम योगी ने बताया कि राज्य सरकार के कृषि विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के एफ आई एम टी टी सी (कृषि यंत्र व मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र) में कस्टम हायरिंग सेंटर चलाने की सहमति दी गई है।

आनलाइन किए जा सकेंगे आवेदन

इजी विपिन लड्ढा ने बताया कि केंद्र द्वारा फार्म मशीनरी एवं उपकरणों की टेस्टिंग की जाती है। टेस्टिंग के दौरान विभिन्न निर्माता फर्मों द्वारा उपलब्ध कराए गये आधुनिक कृषि यंत्र व मशीनें इस कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को किराये पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए किसान कस्टम हायरिंग केंद्र ऐप प्ले स्टोर से डाउनलोड कर इस पर पंजीकरण करवाते हुए ऑनलाइन बुकिंग करवा सकते हैं।

कस्टम हायरिंग सेंटर का उद्घाटन

किसानों को बाजार से कम दर पर उपलब्ध होंगे कृषि मशीनरी व यंत्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. क्षेत्र के किसानों को अब समुचित दर पर कृषि मशीनरी तथा उपकरण उपलब्ध हो सकेंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि यंत्र व मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र (एफआइएमटीटीसी) में कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने गुरुवार को कस्टम हायरिंग सेंटर का उद्घाटन किया।

कुलगुरु दुबे ने कहा कि एफआइएमटीटीसी कृषि यंत्र निर्माताओं के हित में कार्य किए जा रहे हैं। यहां आ रही मशीनें अब इस केंद्र के माध्यम से किसानों के लिए सही दर पर उपलब्ध होगी। इससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। केंद्र में मशीनों के मेंटेनेंस, रखरखाव आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. देवाराम सैनी ने कहा कि केन्द्र के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की विशेष पहचान बनी है। केंद्र प्रभारी डॉ. विक्रम योगी ने बताया कि राज्य सरकार के कृषि विभाग की ओर से विश्वविद्यालय केन्द्र में कस्टम हायरिंग सेंटर चलाने की सहमति दी गई है। इस दौरान वित्त नियंत्रक हनुमान प्रसाद, अनुसंधान निदेशक डॉ. एन के शर्मा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. दीपाली धवन सहित अन्य उपस्थित रहे।

ऐसे होगा पंजीकरण

विपिन लड्ढा ने बताया कि केंद्र की ओर से फार्म मशीनरी एवं उपकरणों की टेस्टिंग की जाती है। टेस्टिंग के दौरान विभिन्न निर्माता फर्मो से उपलब्ध करवाए गये आधुनिक कृषि यंत्र व मशीनें इस कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को किराए पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए किसान कस्टम हायरिंग केंद्र ऐप प्ले स्टोर से डाउनलोड कर इस पर पंजीकरण करवाते हुए ऑनलाइन बुकिंग करवा सकते हैं। इस केंद्र से कृषकों को कृषि यंत्र एवं कृषि उपकरण किराये पर प्रचलित बाजार दर से कम दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

कस्टम हायरिंग केंद्र से किराए पर यंत्रों को उपलब्ध कराए जाने के लिए राज किसान साथी कस्टम हायरिंग केंद्र ऐप के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग अनिवार्यतः की जाएगी। यंत्रो के कृषि क्षेत्रफल का कृषकवार रिकॉर्ड संधारण भी अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

कृषि के साथ पशुपालन किसान की आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक

किसानों के लिए प्रशिक्षण आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग की ओर से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के सहयोग से गुरुवार को जलग्रहण क्षेत्र ब्लॉक खाजुवाला के किसानों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने हरे चारे वाली विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी देते हुए कृषि के साथ पशुपालन को किसान की आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक बताया। इंजी. जेके गौड़ ने डिग्गी आधारित जल बचत खेती तथा चारागाह विकास के लिये रेनगन द्वारा सिंचाई की विस्तार से जानकारी दी। डॉ. एके शर्मा ने खरीफ तथा रबी फसलों की सूखा रोधी तथा कम पानी में उगने वाली विभिन्न किस्मों की जानकारी दी।

एसकेआरएयू -24 वीं कुलगुरु चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता प्रारम्भ

28 फरवरी तक खेले जाएंगे विभिन्न वर्गों के मुकाबले

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर, 24 वीं कुलगुरु चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता गुरुवार को एसकेआरएयू में प्रारंभ हुई । शैक्षणिक व अशैक्षणिक कार्मिकों व अधिकारियों के लिए 28 फरवरी तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में फुटबॉल, टेबल टेनिस, लंबी कूद, क्रिकेट मैच वॉलीबॉल , बैडमिंटन, बास्केटबॉल, शतरंज, गोला फेक , कबड्डी सहित खेल मुकाबलों का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर कुलगुरु ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की और कहा कि खेल मनुष्य को स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित करते हैं, कार्मिकों को खेलों में भाग लेने व स्वस्थ रहने के उद्देश्य से ये आयोजन हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी खेल भावना के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ खेलें। कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने भी विश्वविद्यालय कार्मिकों को विभिन्न खेलों में अधिक से अधिक भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवनचार्य में भी खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। उद्घाटन कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा, छात्र कल्याण निदेशक डॉ एच एल देशवाल, खेलकूद सचिव अशोक कुमार, विश्वविद्यालय अशैक्षणिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मदनपाल सिंह ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। इस मौके पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की टीमें उपस्थिति रही।पहले दिन बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, कबड्डी, वॉलीबॉल के मुकाबले खेले गए।

एसकेआरएयू में कस्टम हायरिंग सेंटर प्रारम्भः कुलगुरु ने किया केन्द्र का उद्घाटन, किसानों को बाजार से कम दर उपलब्ध होंगे कृषि मशीनरी व यंत्र, आनलाइन होगी बुकिंग

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर क्षेत्र के किसानों को अब समुचित दर पर विभिन्न कृषि मशीनरी तथा उपकरण उपलब्ध हो सकेंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय स्थित एफ आई एम टी टी सी में कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने गुरुवार को कस्टम हायरिंग सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक हनुमान प्रसाद,अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ दीपाली धवन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ विजय प्रकाश, इंजी विपिन लड्ढा तथा प्रभारी अधिकारी डॉ विक्रम योगी उपस्थित रहे।

कुलगुरु ने कस्टम हायरिंग सेंटर के प्रारंभ होने पर बधाई देते हुए कहा कि एफआईएमटीटीसी द्वारा नियमित रूप से किसानों कृषि यंत्र निर्माताओं के हित में कार्य किया जा रहा है । यहां आ रही मशीनें अब इस केंद्र के माध्यम से किसानों के लिए सही दर पर उपलब्ध होंगी, इसका किसानों को

सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र के मशीनों के मेंटिनेंस, रखरखाव, आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे इन्हें कार्यशील स्थिति में रखते हुए किसानों को केंद्र का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि एफआईएमटीटीसी के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की एक अलग पहचान बनी है। आय सृजन के साथ केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों तथा किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब यहां कस्टम हायरिंग सेंटर प्रारंभ होने से केंद्र की खेतों तक पहुंच बनेगी और तकनीकी हस्तांतरण में भी केंद्र सहयोगी बनकर उभरेगा। केंद्र से होने वाली आय के माध्यम से कृषि उपकरणों का रखरखाव और मेंटिनेंस कार्य भी सुचारू रूप से संपन्न किया जा सकेगा। केंद्र के प्रभारी डॉ विक्रम योगी ने बताया कि राज्य सरकार के कृषि विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के एफ आई एम टी टी सी (कृषि यंत्र व मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र) में कस्टम हायरिंग सेंटर चलाने की सहमति दी गई है।

आनलाइन किए जा सकेंगे आवेदन

इंजी विपिन लड्ढा ने बताया कि केंद्र द्वारा फार्म मशीनरी एवं उपकरणों की टेस्टिंग की जाती है। टेस्टिंग के दौरान विभिन्न निर्माता फर्मों द्वारा उपलब्ध कराए गये आधुनिक कृषि यंत्र व मशीनें इस कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को किराये पर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इसके लिए किसान कस्टम हायरिंग केंद्र ऐप प्ले स्टोर से डाउनलोड कर इस पर पंजीकरण करवाते हुए ऑनलाइन बुकिंग करवा सकते हैं। इस केंद्र द्वारा कृषकों को कृषि यंत्र एवं कृषि उपकरण किराये पर प्रचलित बाजार दर से कम दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। कस्टम हायरिंग केंद्र द्वारा किराए पर यंत्रों को उपलब्ध कराए जाने हेतु राज किसान साथी कस्टम हायरिंग केंद्र ऐप के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग अनिवार्यतः की जाएगी। यंत्रो के कृषि क्षेत्रफल का कृषकवार रिकॉर्ड संधारण भी अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

यह है एफ आई एम टी टी सी

एसकेआरएयू में वर्ष 2012 से संचालित इस फार्म मशीनरी टेस्टिंग एंड ट्रेनिंग सेंटर (एफ एम टी टी सी) की स्थापना भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अधीन की गई। राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के अन्तर्गत स्थापित यह केंद्र देशभर के ऐसे 33 केन्द्रों में से एक है। इंजी लड्ढा ने बताया कि विश्वविद्यालय को एफ आई एम टी टी सी से अब तक 15 करोड़ से अधिक आय प्राप्त हुई है। यह केंद्र मशीनरी टेस्टिंग के साथ किसानों, विद्यार्थियों तथा फार्म मशीनरी व यंत्र निर्माताओं को समय-समय पर संचालान रखरखाव से जुड़े प्रशिक्षण का कार्य भी करता है।

एसकेआरएयू में कस्टम हायरिंग सेंटर प्रारम्भ

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। क्षेत्र के किसानों को अब समुचित दर पर विभिन्न कृषि मशीनरी तथा उपकरण उपलब्ध हो सकेंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय स्थित एफ आई एम टी टी सी में कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने गुरुवार को कस्टम हायरिंग सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक हनुमान प्रसाद,अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ दीपाली धवन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ विजय प्रकाश, इंजी विपिन लड्ढा तथा प्रभारी अधिकारी डॉ विक्रम योगी उपस्थित रहे।

कुलगुरु ने कस्टम हायरिंग सेंटर के प्रारंभ होने पर बधाई देते हुए कहा कि एफआईएमटीटीसी द्वारा नियमित रूप से किसानों कृषि यंत्र निर्माताओं के हित में कार्य किया जा रहा है । यहां आ रही मशीनें अब इस केंद्र के माध्यम से किसानों के लिए सही दर पर उपलब्ध होगी, इसका किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र के मशीनों के मेंटिनेंस, रखरखाव, आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे इन्हें कार्यशील स्थिति में रखते हुए किसानों को केंद्र का अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि एफआईएमटीटीसी के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की एक अलग पहचान बनी है। आय सृजन के साथ केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों तथा किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब यहां कस्टम हायरिंग सेंटर प्रारंभ होने से केंद्र की खेतों तक पहुंच बनेंगी और तकनीकी हस्तांतरण में भी केंद्र सहयोगी बनकर उभरेगा। केंद्र से होने वाली आय के माध्यम से कृषि उपकरणों का रखरखाव और मेंटेनेंस कार्य भी सुचारू रूप से संपन्न किया जा सकेगा।

केंद्र के प्रभारी डॉ विक्रम योगी ने बताया कि राज्य सरकार के कृषि विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के एफ आई एम टी टी सी (कृषि यंत्र व मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र) में कस्टम हायरिंग सेंटर चलाने की सहमति दी गई है।

इजी विपिन लड्ढा ने बताया कि केंद्र द्वारा फार्म मशीनरी एवं उपकरणों की टेस्टिंग की जाती है। टेस्टिंग के दौरान विभिन्न निर्माता फर्मों द्वारा उपलब्ध कराए गये आधुनिक कृषि यंत्र व मशीनें इस कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को किराये पर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इसके लिए किसान कस्टम हायरिंग केंद्र ऐप प्ले स्टोर से डाउनलोड कर इस पर पंजीकरण करवाते हुए ऑनलाइन बुकिंग करवा सकते हैं। इस केंद्र द्वारा कृषकों को कृषि यंत्र एवं कृषि उपकरण किराये पर प्रचलित बाजार दर से कम दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। कस्टम हायरिंग केंद्र द्वारा किराए पर यंत्रों को उपलब्ध कराए जाने हेतु राज किसान साथी कस्टम हायरिंग केंद्र ऐप के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग अनिवार्यतः की जाएगी। यंत्रो के कृषि क्षेत्रफल का कृषकवार रिकॉर्ड संधारण भी अनिवार्य रूप से किया जाएगा।